रॉंची
6/11/2014.

ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

इक्फाई विवि झारखण्ड में "मुल्य-विहिन शिक्षा, सभी बुराईयों की जड़ है" पर तृतीय एन. जे. यशस्वी मेमोरियल व्याख्यान तथा रक्त-दान शिविर का आयोजन किया गया।

आज 6 नवम्बर 2014 को इक्फाई विवि झारखण्ड में स्वर्गीय एन. जे. यशस्वी के तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर "मुल्य-विहिन शिक्षा सभी बुराईयाँ की जड़ है" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। स्वर्गीय एन. जे. यशस्वी जो इक्फाई समूह के संस्थापक भी हैं। इससे पूर्व रेड-क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें डॉ० ए० के अग्रवाल, एसोसिएट प्रो० रिम्स, डॉ० सुशील कुमार ने शिविर का आयोजन किया। यहाँ 40 छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया।

दर्शकों का स्वागत करते हुए प्रो. ओ. आर. एस. राव, 'वाइस चांसलर इक्फाई विवि झारखण्ड', ने कहा कि स्वर्गीय एन. जे. यशस्वी सिद्धांतों और मुल्यों के व्यक्ति थे, जिन्होंने इक्फाई समूह की स्थापना की, जिसमें ग्यारह विश्वविद्यालय तथा 7 आई. बी. एस. सम्मिलित हैं। जो कि योग्यता आचार और आदर्शता के साथ की गई है। इसके अतिरिक्त उन्होंने पूर्व के अयोग्य क्षेत्रों में भी गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया है।

आज पूर्व तथा उत्तर-पूर्व में सात विश्वविद्यालय हैं (जिसमें इक्फाई विवि झारखण्ड एक है)। प्रो. राव ने यह कहा।

इस अवसर पर हमारे विश्वविद्यालय में उन विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों में मूल्यों और नैतिकता का प्रदर्शन किया है। इसके अलावा टॉपरों को भी पुरस्कृत किया गया। प्रो. राव ने कहा।

मेमोरियल व्याख्यान देते हुए डॉ. अहमद सज्जाद, प्रसिद्ध उर्दू लेखक और मुख्य अतिथि ने शिक्षा की जरूरतों पर जिससे विद्यार्थियों में मूल्यता को बढ़ाया जा सके इस बात पर प्रकाश डाला।

डॉ. के. के. नाग, डॉ. एस खान, विवि के बोर्ड ऑफ गवर्नर के सदस्य ने भी समारोह को संबोधित किया। डॉ. बी. एम. सिंह रजिस्ट्रार ऑफ इक्फाई विवि झारखण्ड ने धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी कर्मचारियों को यशस्वी जी की आकांक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरने के लिए कहा।

कार्यक्रम में शिक्षाविद, शिक्षक, कर्मचारी पूर्व विद्यार्थियों और आगंतुकों ने भाग लिया।

//